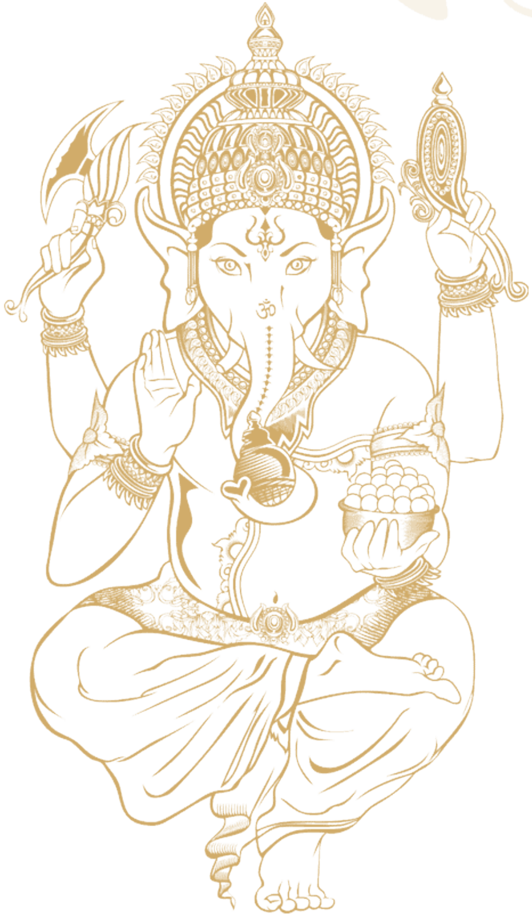

Mahipal ji

02 Mar 1997

04:30 AM

Phalodi River

Model: web-freekundliweb

Order No: 121408702

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **1-02/03/1997**
दिन	: शनि-रविवार
जन्म समय	: **04:30:00 घंटे**
इष्ट	: 53:32:22 घटी
स्थान	: **Phalodi River**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 27:06:00 उत्तर
रेखांश	: 72:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:40:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 03:49:28 घंटे
वेलान्तर	: -00:12:23 घंटे
साम्पातिक काल	: 14:28:36 घंटे
सूर्योदय	: 07:05:03 घंटे
सूर्यास्त	: 18:41:07 घंटे
दिनमान	: 11:36:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 17:35:13 कुम्भ
लग्न के अंश	: 29:55:14 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: धनु - गुरु
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: हर्षण
करण	: बालव
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	29:55:14	378:46:39	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
सूर्य			कुंभ	17:35:13	01:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चिक	12:10:05	13:09:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल	व		कन्या	08:27:14	00:17:54	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	कुंभ	09:19:44	01:46:05	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			मक	15:11:37	00:13:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र		अ	कुंभ	09:40:07	01:14:56	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	12:52:25	00:07:03	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु			कन्या	05:00:52	00:00:22	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	05:00:52	00:00:22	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	12:50:49	00:03:03	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	05:09:50	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चिक	11:46:20	00:00:14	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			तुला	15:44:08	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:04

लग्न-चलित

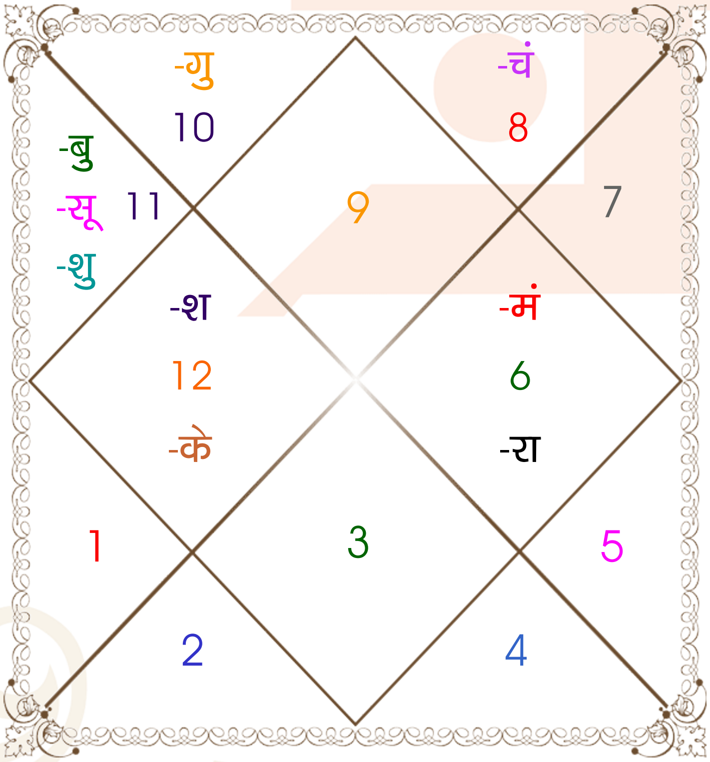

चन्द्र कुंडली

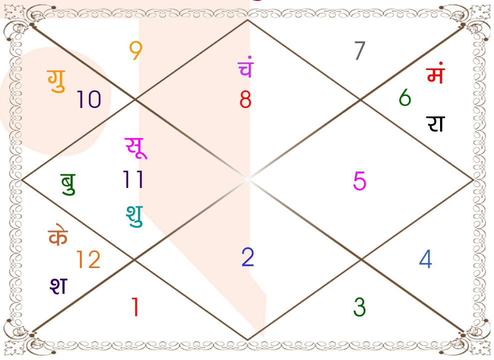

नवमांश कुंडली

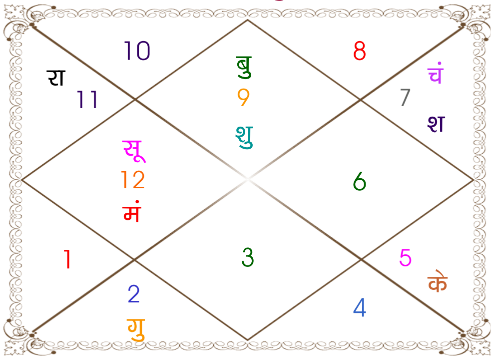

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 4 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/03/1997		30/07/2003		29/07/2020		30/07/2027		30/07/2047	
30/07/2003		29/07/2020		30/07/2027		30/07/2047		30/07/2053	
	00/00/0000	बुध	26/12/2005	केतु	26/12/2020	शुक्र	29/11/2030	सूर्य	17/11/2047
	00/00/0000	केतु	23/12/2006	शुक्र	25/02/2022	सूर्य	29/11/2031	चंद्र	17/05/2048
	00/00/0000	शुक्र	23/10/2009	सूर्य	03/07/2022	चंद्र	30/07/2033	मंगल	22/09/2048
	00/00/0000	सूर्य	29/08/2010	चंद्र	01/02/2023	मंगल	29/09/2034	राहु	17/08/2049
	00/00/0000	चंद्र	29/01/2012	मंगल	30/06/2023	राहु	29/09/2037	गुरु	05/06/2050
	02/03/1997	मंगल	25/01/2013	राहु	17/07/2024	गुरु	30/05/2040	शनि	18/05/2051
मंगल	12/03/1998	राहु	14/08/2015	गुरु	23/06/2025	शनि	30/07/2043	बुध	24/03/2052
राहु	16/01/2001	गुरु	19/11/2017	शनि	02/08/2026	बुध	30/05/2046	केतु	29/07/2052
गुरु	30/07/2003	शनि	29/07/2020	बुध	30/07/2027	केतु	30/07/2047	शुक्र	30/07/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/07/2053		30/07/2063		30/07/2070		29/07/2088		30/07/2104	
30/07/2063		30/07/2070		29/07/2088		30/07/2104		00/00/0000	
चंद्र	30/05/2054	मंगल	26/12/2063	राहु	11/04/2073	गुरु	17/09/2090	शनि	03/08/2107
मंगल	29/12/2054	राहु	13/01/2065	गुरु	05/09/2075	शनि	30/03/2093	बुध	12/04/2110
राहु	29/06/2056	गुरु	20/12/2065	शनि	12/07/2078	बुध	06/07/2095	केतु	22/05/2111
गुरु	29/10/2057	शनि	29/01/2067	बुध	28/01/2081	केतु	11/06/2096	शुक्र	22/07/2114
शनि	30/05/2059	बुध	26/01/2068	केतु	16/02/2082	शुक्र	10/02/2099	सूर्य	04/07/2115
बुध	29/10/2060	केतु	23/06/2068	शुक्र	15/02/2085	सूर्य	29/11/2099	चंद्र	01/02/2117
केतु	30/05/2061	शुक्र	23/08/2069	सूर्य	10/01/2086	चंद्र	31/03/2101	मंगल	03/03/2117
शुक्र	29/01/2063	सूर्य	29/12/2069	चंद्र	12/07/2087	मंगल	07/03/2102		00/00/0000
सूर्य	30/07/2063	चंद्र	30/07/2070	मंगल	29/07/2088	राहु	30/07/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा ईर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।